क्रमांक 1038-ज(I)-81/25508.—पूर्वी पजाब पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनामा गया है और उसमें संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (ए) तथा 3(ए) के अनुसार साप गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती चमेली देवी, विध्वा श्री सोहन, गांव माजरा कर्ला, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को रथी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 हपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत बाली युद्ध जागीर सनव में दी गई शर्ती के अनुसार सहर्प प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1300-ज([)-81/25512.—पूर्वी पंजाब मुद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) भी धारा 2(ए), (ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सीपे गये अधिकारों का अयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री रामानन्द, पुत्र श्री मक्चन लाल, गांव रामगढ़, तहमील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ की खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100क्पये वार्षिक, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 कार्य वार्षिक रबी, 1980 में 300 क्पये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दो गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 718-ज (1)-81/25516.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमे आज तक संशोधन किया गया है) की धारा (2ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार भीषे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री कन्हैया राम, पुत्र श्री खेमा राम. ग्राम कलवा ी. तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को खरीफ 1965 से रबी, 1970 तक 100 हाथे वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 हुएये वार्षिक तथा रबी, 1980 ूसे 300 हुएये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई क्षतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 752-ज-II-81/25520.— पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) कि धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सींपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री किशोरी लाग पुत्र श्री रामधन गांव मंदाना तहसील व जिला नारनौल को रखी, 1973 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक वीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1133-ज (1)-81/25524.—पूर्वी पंजाय युद्ध पुरस्कार अधिनयम. 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौषे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल श्री अयो करण, पुत्र श्री आसा राम, गांव बारका, किसील व जिला महेन्द्रगढ़ को रवी. 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी. 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गयी शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1234—ज(F)-81/25528.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हूरियाणा राज्य में प्रपानाया गया है और उसमें प्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के प्रमुसार संभि गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्य पाल श्री रण पत. पुत्र हरसुख. याम डाणी मार तहमील व जिला भिवानी का रवी. 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी. 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत थाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के प्रमुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 281-ज(I)-81/25532.—पूर्वी पंजाब युद्ध जागीर पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सीपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री मनणा सिंह, पुत्र श्री सुन्दर सिंह, गांव चाहा, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला को रबी 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक जीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 540-ज(I)-81/25536.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रधिनियम, 1948 (जैमा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है भीर उसमें भ्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 ए(1) तथा 3(1) के ग्रनसार मौंपे गये ग्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री भरत सिंह, पुत्न श्री प्यारे लाल, गांव कमोद, तहसील दादरी, जिला भिवानी को रबी, 1977 से खरीफ, 1979 सक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक जीमत जाली युद्ध जागीर सनद में दी गई गर्तों के भ्रनुसार सहर्ष भ्रदान करते हैं।